कुल पृष्ठ संख्या 32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या 2712912

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

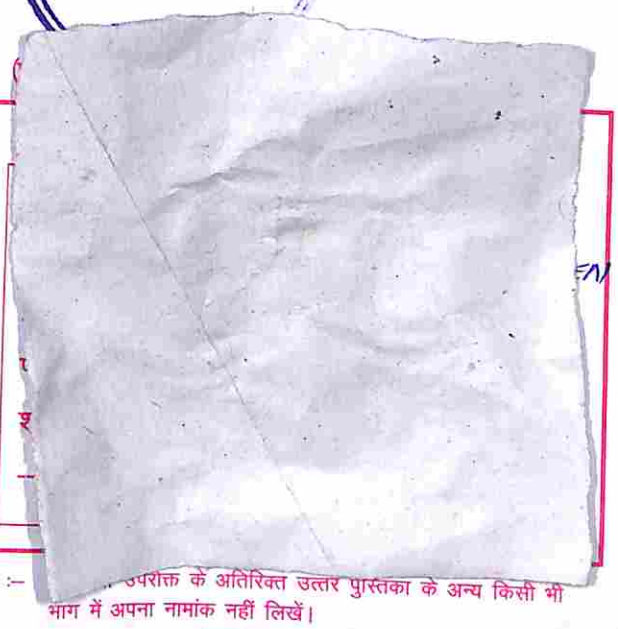

नोट :– ... उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय अर्थशास्त्र

परीक्षा का दिन शनिवार

दिनांक 16/04/2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	12	19	3
2	6	20	3
3	12	21	4
4	2	22	4
5	2	23	4
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	2	29	
12	2	30	
13	2	31	
14	2	योग	80
15	2	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	2	अंकों में	शब्दों में
17	2		
18	3	80	अस्सी

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 30284

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 168/2021

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्ष समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक क 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ का उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार क त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1 (i) (स) जॉन मेनार्ड किन्स

(ii) (स) मजदूरी

(iii) (ब) प्रवाह

(iv) (द) रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया

(v) (अ) M_1

(vi) (स) 1 अप्रैल से 31 मार्च

(vii) (ब) केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था

(viii) (अ) $MU_n = TU_n - TU_{n-1}$

(ix) (स) $x = f(P)$

12

(x) (द) दीर्घकाल

(xi) (ब) उलटा यू आकार

(xii) (स) जब निर्गत शून्य होता है।

2 (i) आयात

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ii) मुद्रा

(iii) गैर-योजनागत व्यय प्रमुख मद वेतन है।

(iv) संसाधनों की कमी चयन की समस्या को जन्म देती है।

(v) बाजार मांग सभी उपभोक्ताओं की सम्मिलित मांग का जोड़ होती है

(vi) उत्पादन फलन आगतों व निर्गतों के मध्य संबंध को दर्शाता है।

3 (i) पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की एक विशेषता निम्नलिखित है -

① पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में इसमें उत्पादन, विनिमय, वितरण आदी का निर्णय निजि क्षेत्र द्वारा लिया जाता है।

(ii) राष्ट्रीय प्रत्योज्य आय => एक देश में एक लेखा वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुएं व सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के योग को में से विदेशों से प्राप्त आय को जोड़ने पर तथा विदेशी व्यक्ति द्वारा हमारे देश से प्राप्त आय को घटाने पर जो शेष बचता है उसे राष्ट्रीय

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रयोज्य आय कहते है इसमे हस्तान्तरण भुगतानो को शामिल नही किया जाता है।

(iii) एक वर्ष मे ₹ 100 की वस्तु का उत्पादन
40 मध्यवर्ती वस्तु

सकल मूल्यवर्धित = शुद्ध वस्तु का उत्पादन
- मध्यवर्ती वस्तु

= 100 − 40

सकल मूल्यवर्धित = 60 Rs

(iv) यदि हमारा व्यावसायिक बैंक मे बचत खाता है तो इस खाते मे जमा राशि मांग जमा कहलाएगी।

(v) बैंक दर ⇒ बैंक दर वह दर है जिसमे केन्द्रीय बैंक जिस दर पर धन देता है इसे बैंक दर कहते है।

(vi) संतुलित बजट ⇒ जब सरकार की आय और व्यय दोनो बराबर होते उन्हे सन्तुलित बजट कहते है

सन्तुलित बजट = आय = व्यय

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(vii) सरकारी बजट ⇒ सरकारी बजट का प्रमुख उद्देश्य देश में आर्थिक स्थिति का विकास करना है।

(viii) उत्पादन संभावना सेट ⇒ जब उपलब्ध वस्तुओं में वृद्धि होती है तो उपलब्ध वस्तुओं का सेट का भी बदल जाता है

(ix) कीमते = 40%
मांग = 20%

मांग की कीमत लोच $ED = \frac{\text{मांग प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{कीमत में प्रतिशत परिवर्तन}}$

$ED = \frac{40\%}{20\%}$

$ED = 0.5$ होगी।
अर्थात् लोच 0.5 होगी।

(x) अल्पकाल ⇒ अल्पकाल वह समयावधि है जिसमें कुछ साधन स्थिर तथा कुछ साधन परिवर्तनशील होते है इसे अल्पकाल कहते है।

BSER-168/2021

(xi) सीमान्त उत्पाद = कुल उत्पाद / मात्रा

$MP = \frac{\Delta TP}{\Delta Q}$

(xii) पूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में अनेक क्रेता एवं विक्रेता पाए जाते है।

(5)

उपभोक्ता वस्तुएँ	पूंजीगत वस्तुएँ
1. उपभोक्ता वस्तुएँ वह होती है जिनका उपयोग उपभोक्ता द्वारा किया जाता है।	इन वस्तुओं का उपयोग उत्पादन को बढाने के लिए किया जाता है।
2. इसका उदाहरण जैसे- घड़ी, बिस्किट आदी	इसका उदाहरण जैसे- मशीन आदी।

(6) सकल राष्ट्रीय उत्पाद सकल घरेलू उत्पाद से थोड़ी विस्तृत होती है जिसमे विदेशो प्राप्त शुद्ध साधन आय का अन्तर होता है

GNP = GDP + NFIA

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(6) व्यावसायिक बैंको के दो निम्नलिखित कार्य है -

(i) व्यावसायिक बैंक जनता की जमाओ को स्वीकार करता है जनता इनमें अपनी बचत को जमा कराती है।

(ii) व्यावसायिक बैंक आवश्यक पड़ने पर जनता को ऋण देती है जैसे गृह ऋण, शिक्षा ऋण आदी।

2

(8) सार्वजनिक वस्तुओ की कोई दो विशेषताएँ निम्नलिखित है -

(i) सार्वजनिक वस्तुओ सभी लोग इसका उपयोग करते है।

(ii) सार्वजनिक वस्तुमे किसी के साथ भेद भाव नही करती है।

2

(7) पूंजीगत प्राप्तियाँ - (i) पूंजीगत प्राप्तियो मे इसमे सरकार की देयता उत्पन्न होती है।

(ii) पूंजीगत प्राप्तियाँ सभी के लिये लाभकारी नही होती है तथा इसमें सरकार की देयता उत्पन्न होती है।

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(9.)(i) प्रत्यक्ष कर – (i) निगम कर (ii) आयकर

(ii) अप्रत्यक्ष कर – सेवा शुल्क, उत्पाद शुल्क

(10.) राजस्व घाटे ⇒ जब सरकार राजस्व आय से अधिक राजस्व व्यय अधिक करती है उसे उस राजस्व घाटा कहते हैं सरकार घाटे का बजट वहन करती है

राजस्व घाटा = राजस्व व्यय – राजस्व प्राप्तियाँ

(11.) अर्थव्यवस्था की दो केन्द्रिय समस्याएँ निम्नलिखित है :–

(i) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए? तथा कितनी मात्रा में

(ii) वस्तुओं का उत्पादन कैसे करें

(i) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाये? ⇒

अर्थव्यवस्था की पहली समस्या है कि किन वस्तुओं का उत्पादन किया उपभोक्तागत उत्पादन किया जाए या विलासित वस्तुओं का जाए क्योंकि मनुष्य की आवश्यकताओं का असिमित है और उनकी पूर्ति के संसाधन सीमित है। इसलिए हमारे सामने चयन कि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

समस्या आती है,

(ii) वस्तुओं का उत्पादन कैसे करे ⇒

अर्थव्यवस्था की दूसरी समस्या है कि वस्तुओं का उत्पादन कैसे करे श्रम से करे या पूंजी प्रधान तकनीक से करे इसलिए हमारे सामने तकनीक की समस्या उत्पन्न होती है।

(12) पूरक वस्तुएँ ⇒ वह वस्तुएँ होती है जिनका उपयोग साथ-2 किया जाता है पूरक वस्तुएँ कहलाती है, जैसे - पैन-स्याही आदी

2

स्थानापन्न वस्तुएँ ⇒ स्थानापन्न वस्तुएँ वह वस्तुएँ होती है जिनका उपयोग एक-दूसरे के स्थान पर किया जाता है स्थानापन्न वस्तुएँ कहलाती है जैसे - चीनी-गुड़, आदी।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(13)

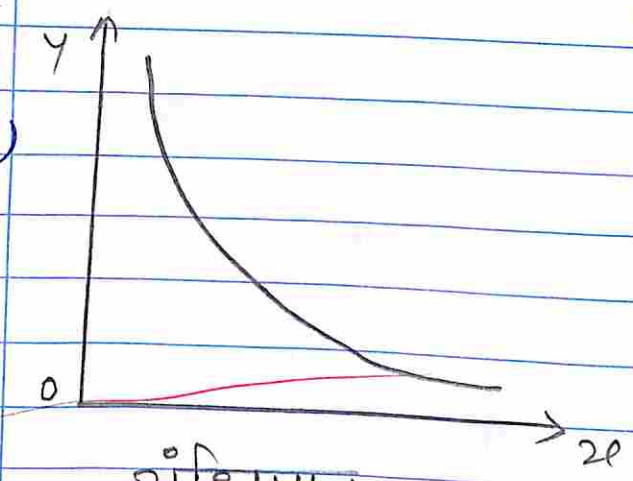

अँधिमान वक्र

2

(14)

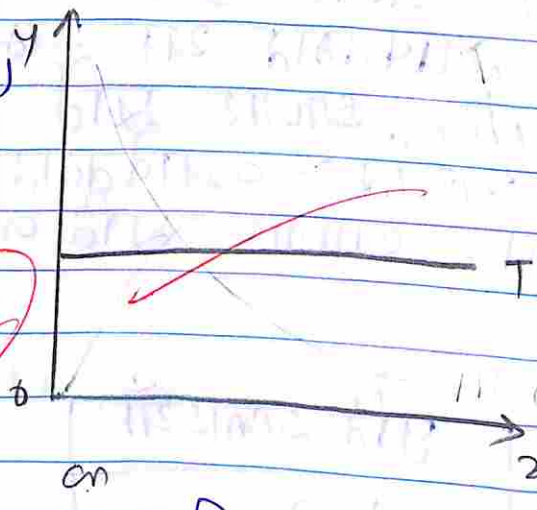

2

कुल स्थिर लागत वक्र x अक्ष के समान्तर होती है कुल स्थिर साधनों पर किया गया व्यय कुल स्थिर लागत कहलाती है। जैसे - बिजली का बिल आदी और भूमि का किराया।

(15) औसत संप्राप्ति => कुल संप्राप्ति में साधन की इकाई का भाग देने पर प्राप्त प्राप्ति को औसत संप्राप्ति कहते है।

2

BSER 16/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

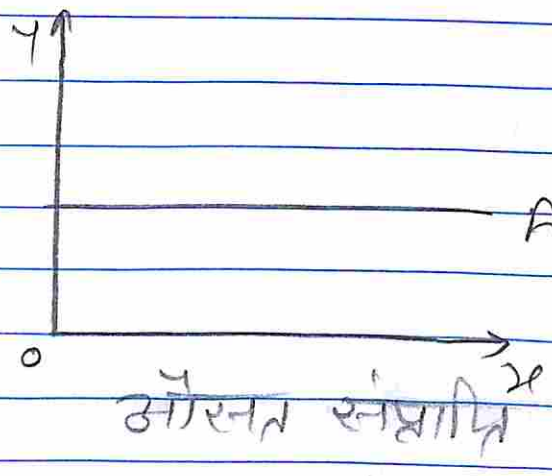

औसत संप्राप्ति

(16) बाजार पूर्ति => बाजार पूर्ति यह व्यक्तिगत या समस्त क्रेताओं का योग बाजार पूर्ति कहलाता है अर्थात व्यक्तिगत पूर्ति का क्षैतिज जोड़ बाजार पूर्ति कहलाता है।

2

(20)

वस्तु कीमतें	पूर्ति इकाइयाँ
10	100
12	120

पूर्ति की कीमत लोच = $\frac{\text{पूर्ति में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{माँग में प्रतिशत परिवर्तन}}$

$$e_s = \frac{\Delta q}{\Delta P} \cdot \frac{P_1}{q_1}$$

$$e_s = \frac{20}{2} \cdot \frac{105}{1025}$$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

$es = \frac{8}{8}$ ।

$es = 1$

3 अतः पूर्ति की कीमत लोच, इकाई के बराबर है ।

21. मुद्रा पूर्ति के चार माप निम्नलिखित हैं -

(i) $M_1 = CU + DD$ CU = लोगों के पास करेंसी

DD = अन्य मांग जमा

4 (ii) $M_2 = M_1 +$ डाकघर बचत बैंकों मे बचत जमा

(iii) $M_3 = M_1 +$ व्यवसायिक बैंकों की शुद्ध आवधिक जमाएं

(iv) $M_4 = M_3 +$ डाकघर की समस्त जमाएं (राष्ट्रीय बचत पत्र को छोड़कर)

(22) मांग वक्र => मांग और किमत के मध्य ज्यामितिय सम्बन्ध को मांग वक्र कहते है ।

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

माँग वक्र मे परिवर्तन दो प्रकार से होता है

(1) माँग मे विस्तार व सन्कुचन

(2) माँग मे कमी या वृद्धि

(1) माँग मे विस्तार => जब अन्य बाते समान रहने पर (आय स्थिर रहने पर) जब वस्तु की कीमत मे कमी होती है तो माँग मे विस्तार होता है जैसे -

इससे स्पष्ट होता है कि जब कीमत P से P1 होती है तो माँग मात्रा Q से Q1 की ओर बढ़ रही, जो माँग मे विस्तार को दर्शा रहा है।

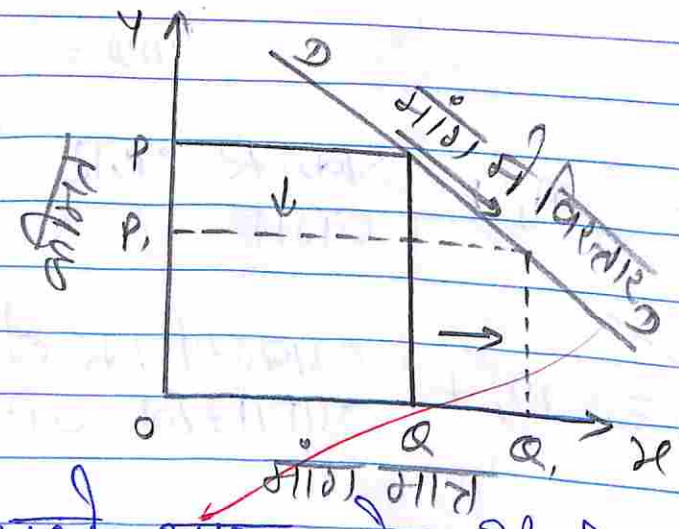

माँग मे सन्कुचन => अन्य बाते समान रहने पर (आय स्थिर रहने पर) जब वस्तु की

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कीमत मे वृद्धि होती है तो मांग मे सन्कुचन होता है

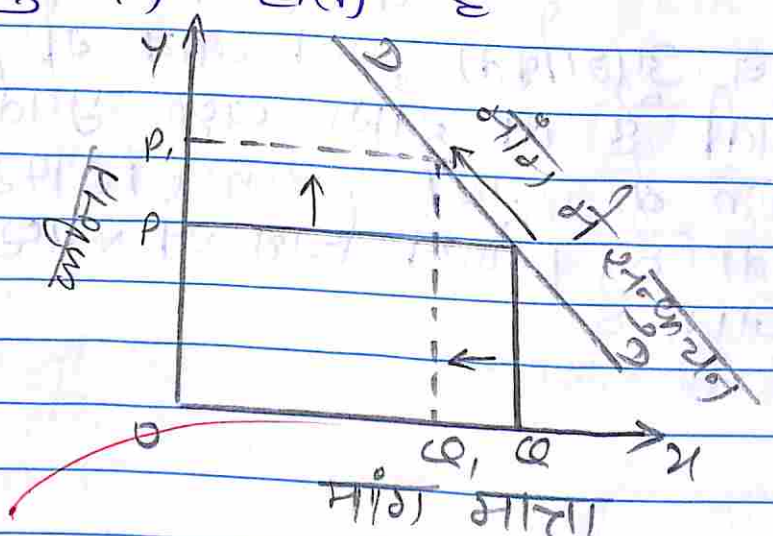

चित्र से स्पष्ट है कि जब वस्तु की कीमत P से P_1 की ओर बढ़ रही है तब मांग मात्रा मे Q से Q_1 की ओर घट रही है उसे जो मांग मे सन्कुचन को दर्शा रहा है

(2) मांग मे कमी ⇒ अन्य बाते समान रहने पर (कीमत स्थिर रहने पर) जब उपभोक्ता की आय मे कमी होती है तो मांग वक्र पूर्वती मांग वक्र के बायी तरफ शिफ्ट हो जाता है।

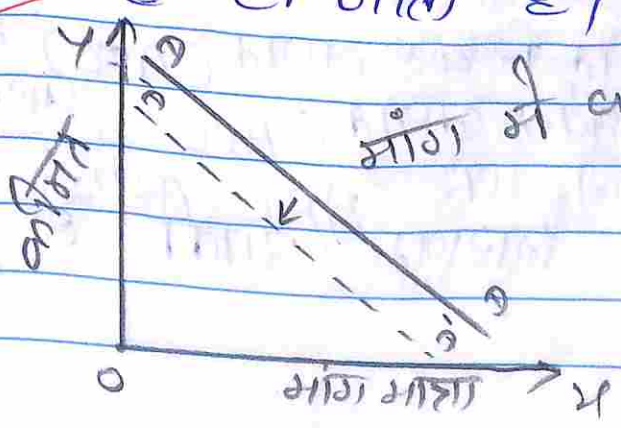

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

मांग में वृद्धि ⇒ अन्य बातें समान रहने पर (कीमत स्थिर रहने पर) जब उपभोक्ता की आय में वृद्धि होती है तो मांग वक्र पूर्ववर्ती मांग वक्र के दायीं तरफ शिफ्ट हो जाता है। जिसे चित्र से स्पष्ट किया जाता है

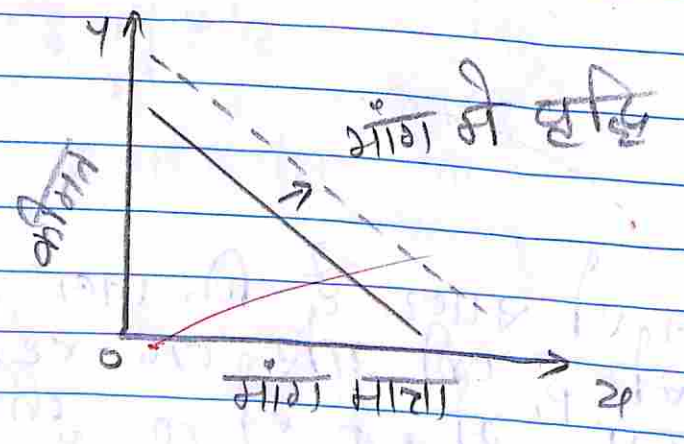

(23)

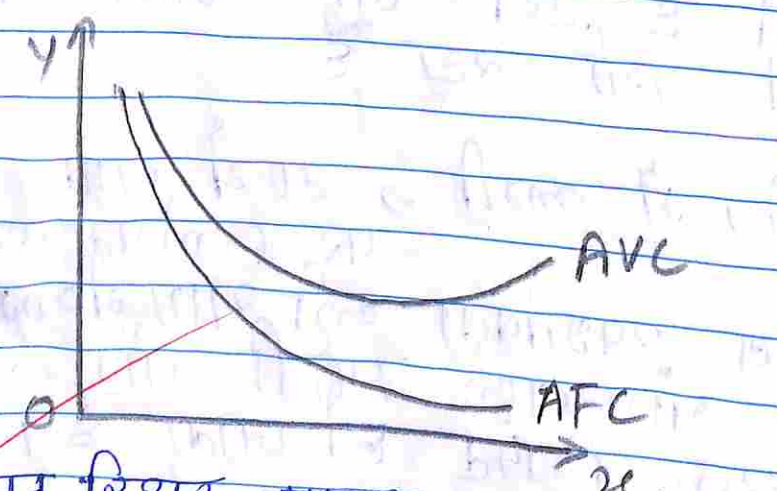

(i) औसत स्थिर लागत (AFC) और औसत परिवर्तन लागत (AVC), प्रारम्भ में उत्पादन बढ़ाने पर AFC और AVC दोनों में गिरावट आती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ii) लेकिन औसत स्थिर लागत, औसत परिवर्तन लागत (AVC) की तुलना में अधिक तेजी से गिरती है।

(iii) औसत स्थिर लागत (AFC) औसत परिवर्तनशील लागत (AVC) एक निश्चित समय के बाद वृद्धि होती है लेकिन औसत परिवर्तनशील लागत में अधिक वृद्धि होती है

(iv) औसत स्थिर लागत की आकृति आयताकार अतिपरवलय की होती है।

(v) औसत परिवर्ती लागत की आकृति अंग्रेजी के 'U' आकार की होती है।

(14)

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
1. व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत इकाईयों का अध्ययन किया जाता है।	1. समष्टि अर्थशास्त्र में सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया जाता
2. व्यष्टि का आकार सूक्ष्म होता है।	इसका आकार विशाल व व्यापक होता है।
3. इसको अंग्रेजी में Micro कहते हैं	इसको अंग्रेजी में Macro कहते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

5. व्यष्टि अर्थशास्त्र में बचत लाभकारी होती है	समष्टि अर्थशास्त्र में बचत अलाभकारी होती है
6. इसमें कीमत यन्त्र के माध्यम से अध्ययन किया जाता है	इसमें राष्ट्रीय आय के माध्यम से अध्ययन किया जाता है।
6. इसका अध्ययन सरल होता है	इसका अध्ययन कठिन एवं असुविधापूर्ण होता है।
7. इसमें व्यक्तिगत समस्याओं के उतार-चढ़ाव का समाधान होता है।	इसमें सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था की समस्याओं का उतार-चढ़ाव को समाधान किया जाता है।
8. जैसे - व्यक्तिगत उत्पादन, उपभोग आदि	जैसे - मुद्रास्फीति आय, राष्ट्रीय आय आदि।

(17) साधनलागत शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP_{FC}) = बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद - अप्रत्यक्ष कर + अनुदान - मूल्यह्रास

$NNP_{FC} = 1000 - 150 + 250 - 200$

$NNP_{FC} = 1250 - 150 - 200$

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3

17. $NNP_{FC} = 1100-200$ ~~Rms~~

$NNP_{FC} = 900$ Rms

18. केन्द्रीय बैंक के तीन निम्नलिखित कार्य है-

(i) अन्तिम ऋण दाता

(ii) विदेशी कोषों का संरक्षक

(iii) सरकार के बैंकर के रूप

(i) अन्तिम ऋण दाता => केन्द्रिय बैंक व्यवसायिक बैंक के लिए अन्तिम ऋण दाता के रूप मे कार्य करता है क्योंकि जब व्यवसायिक बैंको को जनता के लिए मुद्रा नही बचती है जब व्यापारिक बैंक कार्यक्षेत्र मे फेल हो जाता है तब व्यापारिक बैंक के लिए केन्द्रिय बैंक से ऋण लेकर उस घाटे को पूरा करती है इसलिए कारण केन्द्रिय बैंक व्यापारिक बैंको का अन्तिम ऋण दाता होता है।

3

(ii) विदेशी कोषो का संरक्षक => केन्द्रिय बैंक विदेशी कोषो का संरक्षक होता है जब व्यक्ति दूसरे देश मे बाहर कमाने जाता है वहां से कमाई हुई धन राशि अपने अपने देश मे चलाने के लिए केन्द्रिय बैंक मे उसे बदलकर उसे व्यक्ति को उसके देश की मुद्रा देता है इससे व्यक्ति

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अपने आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। अगर कोई व्यक्ति हमारे देश मे आकर पैसे कमाता है वह व्यक्ति अपने देश की मुद्रा लेकर अपने देश मे चला जाता है और अपनी आवश्यकता को पूरा करता है। इस कारण केन्द्रिय बैंक विदेशी कोषों का संरक्षक होता है।

(iii) सरकार के बैंकर के रूप में ⇒ केन्द्रिय बैंक सरकार के बैंकर के रूप मे कार्य करता है। क्योंकि केन्द्रिय बैंक देश मे एक बैंक होता है और वह सभी व्यापारिक बैंकों को ऋण प्रदान करता है। सरकार जितने भी भुगतान करती है सरकार ऋण देती है वह सब केन्द्रिय बैंक से ही संभव हो पाता है इससे केन्द्रिय बैंक सरकार के बैंकर के रूप मे कार्य करता है।

समाप्त कार्य

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-1082021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-168/2021

80